## प्रार्थना

असतो मा सद् गमय।
तमसो मा ज्योतिर्गमय ।
मृत्योर्मामृतं गमय॥

दया कर दान विद्या का हमें परमात्मा देना ।
दया करना हमारी आत्मा में शुद्धता देना ।
हमारे ध्यान में आओ, प्रभु आँखों में बस जाओ ।
अँधेरे दिल में आकर के, प्रभु ज्योति जला देना ।।
बहा दो ज्ञान की गंगा ,दिलों में प्रेम का सागर,
हमें आपस में मिल-जुल कर प्रभु रहना सिखा देना ।।
हमारा धर्म हो सेवा ,हमारा कर्म हो सेवा,
सदा ईमान हो सेवा ,व सेवक- चर बना देना ।।
वतन के वास्ते जीना ,वतन के वास्ते मरना ,
वतन पर जाँ फिदा करना ,प्रभु हमको सिखा देना ।।
दया कर दान विद्या का हमें परमात्मा देना।
दया करना हमारी आत्मा में शुद्धता देना ।

ओ३म् सहनाववतु । सहनौ भुनक्तु ।सहवीर्यं करवावहै ।
तेजस्विनामवधीतमस्तु ।मा विद्विषावहै ।
ओऽम् शान्तिः !शान्तिः !!शान्तिः!!!

## गांधी-भजन

रघुपति राघव राजाराम, पतित पावन सीताराम ।
सीताराम सीताराम, भज प्यारे तू सीताराम॥
रघुपति राघव राजाराम, पतित पावन सीताराम ।
ईश्वर अल्लाह तेरो नाम, सब को सन्मति दे भगवान।----2 बार
रघुपति राघव राजाराम, पतित पावन सीताराम ।
सीताराम सीताराम, भज प्यारे तू सीताराम॥
रघुपति राघव राजाराम, पतित पावन सीताराम ।
ईश्वर अल्लाह तेरो नाम, सब को सन्मति दे भगवान।----2 बार
रघुपति राघव राजाराम, पतित पावन सीताराम ।
पतित पावन सीताराम । ----3 बार

| छात्र- प्रतिज्ञा | Student's Pledge |
|---|---|
| भारत हमारा देश है<br>और सभी भारतवासी<br>हमारे भाई- बहन हैं ।<br>अपना देश हमें<br>प्राणों से भी प्यारा है।<br>इसकी समृद्धि और विविध संस्कृति पर<br>हमें गर्व है ।<br>हम सब इसके सुयोग्य बनने का<br>सदा प्रयत्न करते रहेंगे।<br>हम अपने माता-पिता,<br>शिक्षकों, साथियों,<br>और गुरूजनों का आदर करेंगे<br>और सबके साथ शिष्टता का व्यवहार करेंगे।<br>हम सब जीवों पर दया करेंगे।<br>हम अपने देश और देशवासियों के प्रति<br>वफादार रहने की प्रतिज्ञा करते हैं।<br>उनके कल्याण और समृद्धि में ही<br>हमारा सुख निहित है।<br>जय हिन्द ! जय हिन्द!! जय हिन्द!!! | India is my country<br>and all Indians are my brothers & sisters.<br>I love my country<br>and I am proud of its,<br>rich & varied heritage.<br>I shall always<br>strive to be worthy of it.<br>I shall respect my parents,<br>teachers, classmates, & all elders<br>and treat everyone<br>with courtesy.<br>I shall be kind to<br>animals and plants.<br>To my country<br>and to my people<br>I pledge my devotion.<br>In their well being<br>and prosperity alone<br>lies my happiness.<br>Jai Hind! Jai Hind!! Jai Hind!!! |

News, Physical Exercise, Thought of the Day, Speech, Poem, Quiz, Announcement, Amazing Facts, …, & Happy Birth Day Celebration

# राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत भाग्य विधाता ।
पंजाब-सिन्धु-गुजरात-मराठा
द्राविड़-उत्कल-बंग
विंध्य हिमाचल यमुना गंगा
उच्छल जलधि तरंग
तब शुभ नामे जागे, तब शुभ आशिष मांगे
गाहे तब जय-गाथा ।
जन-गण-मंगलदायक जय हे भारत भाग्य विधाता ।
जय हे, जय हे, जय हे, जय जय जय जय हे ।

– रवीन्द्रनाथ टैगोर